Dainik Bhaskar (Indore), 12th June 2020, Page-11 (Plus 2) and 5

भास्कर खास • मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने देशभर के उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग जारी की

मिरांडा हाउस श्रेष्ठ कॉलेज, आईआईएससी बेंगलुरू को इस बार भी बेस्ट यूनिवर्सिटी का खिताब; आईआईटी मद्रास ओवरऑल टॉप

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली. केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने गुरुवार को उच्च शिक्षण संस्थानों की 2020 की रैंकिंग जारी की। ओवरऑल रैंकिंग में आईआईटी मद्रास पहले नंबर पर है। विश्वविद्यालयों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज बेंगलुरू, प्रबंधन में आईआईएम अहमदाबाद, कॉलेजों में मिरांडा हाउस दिल्ली, मेडिकल में एम्स दिल्ली और लॉ में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरू पहले स्थान पर है। इस साल पहली बार डेंटल कॉलेजों की भी रैंकिंग जारी की गई। इसमें मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, दिल्ली पहले स्थान पर रहा। 2016 से दी जा रही रैंकिंग में हर क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न मानकों पर उनकी उत्कृष्टता के आधार पर अंक दिए जाते हैं। शेष | पेज 5 पर

कैसे बने सर्वश्रेष्ठ: इन पांच बिंदुओं से समझें

आईआईटी-मद्रास: सरकार के कई विभागों के साथ प्रोजेक्ट

- 2019 में सबसे ज्यादा रिसर्च और प्लेसमेंट दिया गया।
- विश्व स्तर पर रिसर्च में सर्वाधिक भागीदारी रही।
- रक्षा विभाग समेत कई उद्योगों के साथ प्रोजेक्ट में शामिल।
- सबसे ज्यादा इनोवेशन और स्टार्टअप दिए संस्थान ने।
- सरकार के कई विभाग के साथ प्रोजेक्ट में शामिल

– प्रो. भास्कर राममूर्ति, डायरेक्टर

मिरांडा हाउस- रिसर्च सेंटर और फैकल्टी की इनहाउस ट्रेनिंग

- रिसर्च सेंटर बनाकर शिक्षा की बेस्ट प्रैक्टिसेस कायम रखी।
- देश की टॉप रिसर्च संस्थाओं से जुड़े वैज्ञानिक बुलाए गए।
- दूसरे संस्थानों के साथ रिसर्च लिंक को मजबूत किया।
- ग्रेजुएशन रिजल्ट, फैकल्टी की इन हाउस ट्रेनिंग पर फोकस।
- उन्नत भारत अभियान में सक्रियता, दिव्यांगों पर फोकस।

– डॉ.विजयलक्ष्मी, प्रिंसिपल

आईआईएम इंदौर को 7वां, आईआईटी इंदौर को 10वां स्थान, एसजीएसआईटीएस प्रदेश का पहला कॉलेज, जिसने एनआईआरएफ में बनाई जगह

इंदौर | रैंकिंग फ्रेमवर्क में आईआईएम इंदौर ने देशभर के संस्थानों में 7वां और आईआईटी इंदौर ने 10वां स्थान हासिल किया है। आईआईटी की रैंकिंग में पिछले साल के मुकाबले 3 पायदान का इजाफा हुआ तो आईआईएम की दो पायदान नीचे गिरी है। आईआईटी पिछले साल 13वें और आईआईएम 5वें स्थान पर था। आईआईटी इंदौर की रैंकिंग में तीन साल से लगातार सुधार हो रहा है। इस बार टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्स, प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच सहित अन्य मापदंडों के आधार पर संस्थान को परखा। सरकारी अनुदान प्राप्त जीएसआईटीएस ने भी 200 से 250 के बैंड में जगह बनाई है। निदेशक आरके सक्सेना ने बताया कि पहला मौका है जब प्रदेश के किसी भी अनुदान प्राप्त कॉलेज ने एनआईआरएफ में जगह बनाई हो। शेष | पेज 5 पर

आईआईएम इंदौर को...

लगातार बेहतर परिणामों के कारण से संभव हुआ है। अगले साल हम टॉप 100 में आने के लिए प्रयास करेंगे। आईआईटी इंदौर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर नीलेश जैन के मुताबिक संस्थान एनआईआरएफ में पहले और दुनिया के श्रेष्ठ 100 शिक्षण संस्थानों में आने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। आईआईएम के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु